राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, हैदराबाद द्वारा उड़ीसा सरकार के विभिन्न विभागों से संबन्धित अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला का शैक्षणिक दौरा

....

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, हैदराबाद द्वारा उड़ीसा सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के लिए **सतत ग्रामीण विकास के लिए कृषि जलवायु आधारित नवोत्पाद** (Agro-climatic based Innovations for Sustainable Rural Development) विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने दिनांक **29.06.2018** को संस्थान का शैक्षणिक दौरा किया।

श्री विनोद कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने अधिकारियों तथा उनके साथ आए राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, हैदराबाद के संकाय सदस्यों का स्वागत किया।

डॉ. कुलराज सिंह कपूर, समूह समन्वयक अनुसंधान ने उड़ीसा सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारियों का औपचारिक रूप से स्वागत किया तथा राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, हैदराबाद द्वारा को हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला को शैक्षणिक भ्रमण हेतु चुनने के लिए धन्यवाद किया। अपने स्वागत संबोधन में डॉ. कपूर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश भारत में एक अग्रणी राज्य के रूप में जाना

जाता है तथा विभिन्न क्षत्रों में दिन–प्रतिदिन प्रगति के नए–नए आयाम स्थापित कर रहा है। यहाँ हर दस किलोमीटर पर लोगों का पहनावा तथा बोली बदल जाती है तथा यहाँ की पारिस्थितिक, जैव–विविधतता तथा वनस्पति में भी विविधता पाई जाती है। उन्होंने बताया कि सभी अधिकारी अवश्य ही इस राज्य से जो कुछ सीख तथा देख कर जाएँगे उसे अपने–अपने कार्यक्षेत्र में कार्यान्वित करने का प्रयास करेंगे तथा अपने राज्य को प्रगति की ओर ले जाने में अहम योगदान देंगे।

श्री सत्य प्रकाश नेगी, अरण्यपाल तथा प्रभाग प्रमुख, विस्तार प्रभाग ने पॉवरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से हिमाचल प्रदेश में पर्यटन, संस्कृति एवं पर्यावरण के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अपनी दूसरी प्रस्तुति में उन्होंने हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला की वानिकी तथा वानिकी अनुसंधान पर किए गए, किए जा रहे तथा भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान

अधिकारियों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर भी सम्बंधित वैज्ञानिकों द्वारा दिए गए।

डॉ. वनीत जिष्टू, वैज्ञानिक–डी ने हिमाचल प्रदेश में पाई जाने वाली वन सम्पदा, पारिस्थिकी तथा जैव विविधतता के बारे में विशेष प्रस्तुति दी।

इसके पश्चात प्रशिक्षु अधिकारियों को श्री अश्वनी कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं श्री श्याम सुंदर,तकनीशियन द्वारा संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा भी करवाया गया। संबन्धित वैज्ञानिकों एवं तकनीकी अधिकारियों द्वारा इन प्रयोगशालाओं में चलाए जा रहे विभिन्न परीक्षणों/ प्रयोगों तथा उपकरणों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, हैदराबाद के फैकल्टी सदस्य तथा प्रशिक्षण समन्वयक ने हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला को इस भ्रमण के आयोजन हेतु धन्यवाद किया तथा संस्थान द्वारा वानिकी अनुसंधान के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि दोनों संस्थान भविष्य में इसी प्रकार से एक–दूसरे का सहयोग करते रहेंगे।

कार्यक्रम के अंत में श्री सत्य प्रकाश नेगी, अरण्यपाल एवं प्रभाग प्रमुख, विस्तार प्रभाग ने राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, हैदराबाद, जो अपने–आप में देश का

एक बहुत प्रसिद्ध प्रशिक्षण संस्थान है, तथा वहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे उड़ीसा सरकार के अधिकारियों का संस्थान के शैक्षणिक भ्रमण हेतु चुनने के लिए धन्यवाद किया तथा आशा व्यक्त की कि आगंतुक अधिकारी अवश्य ही इस भ्रमण से लाभान्वित होंगे।